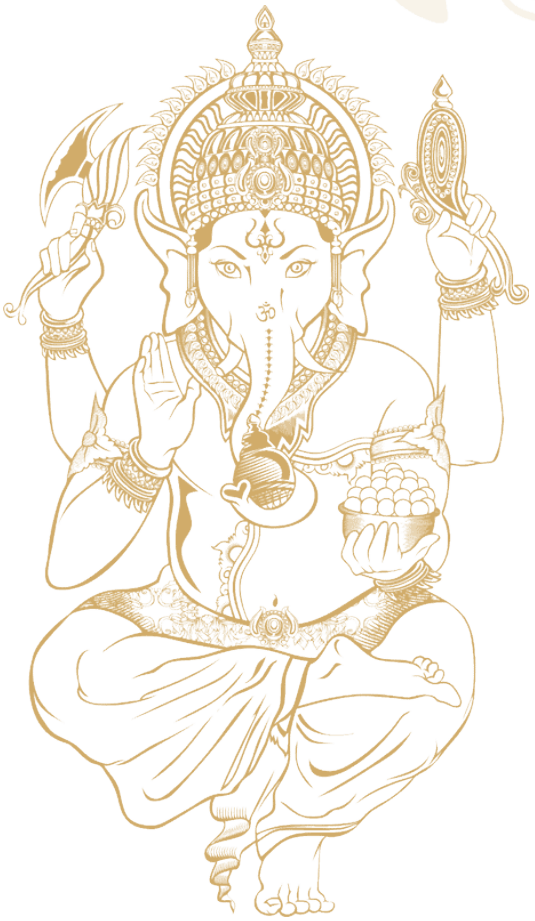

Abhishek

Khushbu kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121634905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/05/2004	जन्म तिथि	24/07/2002
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 08:40:00	जन्म समय	17:30:00 घंटे
घटी 09:12:57	जन्म समय(घटी)	30:50:26 घटी
India	देश	India
Giridih	स्थान	Kodarma
24:10:00 उत्तर	अक्षांश	24:28:00 उत्तर
86:20:00 पूर्व	रेखांश	85:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:15:20	स्थानिक संस्कार	00:12:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
04:58:49	सूर्योदय	05:12:13
18:24:19	सूर्यास्त	18:35:34
23:54:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:19

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 6मा 30दि	29:18:06	मिथु	लग्न	धनु	21:32:45	सूर्य 0वर्ष 5मा 20दि
शनि	08:25:01	वृष	सूर्य	कर्क	07:32:01	राहु
22/12/2018	21:10:51	मिथु	चंद्र	मक	08:57:07	13/01/2020
22/12/2037	16:04:03	मिथु	मंगल	कर्क	13:04:39	12/01/2038
शनि 25/12/2021	14:17:44	मेष	बुध	कर्क	11:27:44	राहु 25/09/2022
बुध 03/09/2024	15:29:06	सिंह	गुरु	कर्क	04:16:58	गुरु 18/02/2025
केतु 13/10/2025	01:41:06	मिथु व	शुक्र	सिंह	21:15:32	शनि 25/12/2027
शुक्र 13/12/2028	17:09:44	मिथु	शनि	मिथु	00:09:24	बुध 14/07/2030
सूर्य 25/11/2029	17:10:33	मेष व	राहु व	वृष	23:15:42	केतु 01/08/2031
चन्द्र 26/06/2031	17:10:33	तुला व	केतु व	वृश्चि	23:15:42	शुक्र 01/08/2034
मंगल 04/08/2032	12:44:30	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	03:58:31	सूर्य 26/06/2035
राहु 11/06/2035	21:28:12	मक व	नेप व	मक	15:55:34	चन्द्र 25/12/2036
गुरु 22/12/2037	27:29:29	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:17:26	मंगल 12/01/2038

लग्न-चलित

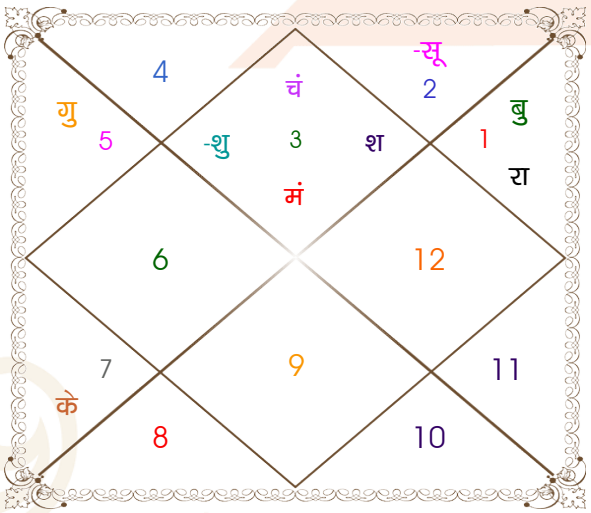

लग्न-चलित

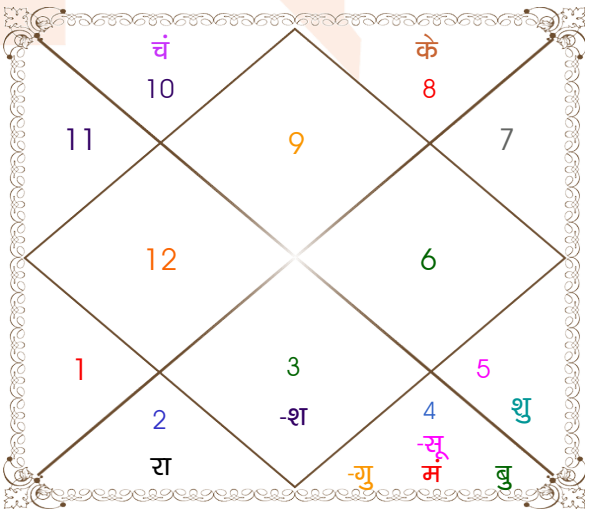

ज्योतिष ग्रह रत्न् केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

।ड्डीपीमा का वर्ग मार्जार है तथा ड्डीनींइन ।नउंतप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ड्डीपीमा और ड्डीनींइन ।नउंतप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।ड्डीपीमा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ।ड्डीपीमा कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ड्डीनींइन ।नउंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ड्डीनींइन ।नउंतप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु झीनींइन ानउंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु झीनींइन ानउंतप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।झीपीमा कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।झीपीमा तथा झीनींइन ानउंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।